



SHRI SHAHBUDDIN RATHOD

Shri Shahbuddin Rathod is the well known International 'Humorist'. His 'Mission' is to create innocent humour which can be enjoyed by all the family members together. He has spent fifty years of his life only for this 'Mission'.

2. Born on 9th December, 1937, Shri Rathod is Educationist, Philosopher and writer. He got retired as Head Master, Municipal High School Thangadh, Gujarat. He spent his thirty eight years of his life in the field of Education. He also spent fifty years of his life as 'Stage Artist'.

3. Shri Rathod has been a genuine worshipper of our cultural heritage and he has been an Ambassador of moral values. It can be said that he has made Gujarat proceed through his incomparable Art. He produced his film named “Shahbuddin Rathod no Hasya Varghodo' in Gujarati. He also produced his T.V. Serial “Papad Pol” in Hindi. His serial continued up to 303 Episodes. He played the role of Dada (Grandfather) in film “Mission Mummy”. He accepted the 'Media' whatever is available to him just like Akashwami, Doordarshan T.V. Channels, film, TV Serial, Column in News Papers and stage shows in India and even in foreign countries.

4. Shri Rathod produced his programmes in America, Canada, Panama, England, Singapore, Muskat, Dubai Abu Dhabi, Baherin and Kuwait. He served as Social Worker. He tried his best to solve the five problems of Thangadh which include convert Thangadh as the Thangadh Taluko; solving the problem of drinking water for the people of Thangadh and building Awaliya Dam; getting five thousand acres of land for the community Health Centre Thangadh; building the New Building of Municipal High School for Girls, Thangadh and building the 'Bridge' over 'Mahanadi near C.H.C. Centre Thangadh. He donated Rs. 3,20,000/- for purpose of building new Building of Municipal High School for Girls.

5. Shri Rathod has been honoured with various awards and decorations. He has been awarded “Guru Vandna Award” by the people of Thangadh. World Gujarati conference honoured him for his dedication in “Humour' at New Jersey America. He was given Life Time Achievement Award from Petro Cham, Dubai at Dubai. Gujarat Government honoured him with 'Gujarat Gaurav Award'. 'Shahbuddin Rathod Marg' the name is given to road to honour Shri Rathod.





श्री शाहबुद्दीन राठोड

श्री शाहबुद्दीन राठोड अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त 'हास्य कलाकार' हैं। उनका 'ध्येय' ऐसा विशुद्ध हास्य पैदा करना है, जिसका आनंद परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर उठा सकें। उन्होंने अपने जीवन के पचास वर्ष केवल इस 'ध्येय' को पूरा करने में लगाए हैं।

2. 9 दिसंबर, 1937 को जन्मे, श्री राठौड़ शिक्षाविद्, दार्शनिक और लेखक हैं। वह, म्युनिसिपल हाई स्कूल थानगढ़, गुजरात से मुख्याध्यापक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अपने जीवन के अड़तीस वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में बिताए। उन्होंने अपने जीवन के पचास वर्ष 'स्टेज आर्टिस्ट' के रूप में लगाए।

3. श्री राठोड़ हमारी सांस्कृतिक विरासत के सच्चे उपासक और नैतिक मूल्यों के अग्रदूत रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि उन्होंने अपनी अतुलनीय कला के माध्यम से गुजरात को प्रसिद्धि दिलाई है। उन्होंने "शाहबुद्दीन राठोड न हसया वरघोड़ो" नामक गुजराती फिल्म का निर्माण किया। उन्होंने हिंदी में टीवी धारावाहिक " पापड़ पोल " का भी निर्माण किया । उनके इस धारावाहिक के 303 एपिसोड प्रसारित हुए। उन्होंने फिल्म "मिशन मम्मी" में दादाजी की भूमिका निभाई। उन्होंने 'मीडिया' के तौर पर आकाशवाणी, दूरदर्शन, टीवी चैनल, फिल्म, टीवी धारावाहिक, समाचारपत्रों में स्तंभ तथा भारत में और यहां तक की विदेशों में स्टेज शो को खुले मन से अपनाया।

4. श्री राठोड ने अमेरिका, कनाडा, पनामा, इंग्लैंड, सिंगापुर, मस्कट, दुबई, अबू धाबी, बहरीन और कुवैत में अपने कार्यक्रमों का निर्माण किया। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सेवाकार्य किया। उन्होंने थानगढ़ की पांच समस्याओं को हल करने की भरसक कोशिश की, जिनमें थानगढ़ को, थानगढ़ तालुका बनाना; थानगढ़ के लोगों की पेयजल की समस्या को दूर करना और अवलिया बांध का निर्माण करना; थानगढ़ में लड़कियों के म्यूनिसिपल हाई स्कूल की नई इमारत तैयार करना तथा सीएचसी सेंटर, थानगढ़ के निकट महानदी पर पुल का निर्माण करना शामिल है। लड़कियों के म्यूनिसिपल हाई स्कूल की नई इमारत बनाने के लिए उन्होंने 320000 रुपये दान किए।

5. श्री राठोड को विभिन्न पुरस्कारों और अलंकरणों से सम्मानित किया गया है। उन्हें थानगढ़ के लोगों द्वारा "गुरु वंदना पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है। विश्व गुजराती सम्मेलन ने उन्हें न्यू जर्सी अमेरिका में "हास्य कला" के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया। उन्हें दुबई में पेट्रो कैम, दुबई की ओर से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। गुजरात सरकार ने उन्हें 'गुजरात गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया। श्री राठोड़ के सम्मान में एक सड़क का नाम 'शाहबुद्दीन राठोड मार्ग' रखा गया है।